Sixteenth Loksabha

an>

Title: Regarding caste based data of petrol pump workers in Punjab.

श्री सुनील कुमार जाखड़ (गुरदासपुर): अध्यक्षा जी, मैं आज आपके सामने एक बहुत ही अहम मुद्दे की तरफ सदन और सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हूं।

महोदया, पिछले कुछ समय से हमारे देश की सभी पेट्रोलियम कम्पनीज़ इंडियन ऑयल लिमिटेड, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम लिमिटेड और भारत पेट्रोलियम लिमिटेड अपने डीलर्स के माध्यम से पेट्रोल पम्प्स पर काम करने वाले सभी कर्मचारियों चाहे पेट्रोल डालने वाले हों, चाहे सफाई करने वाले हों, चाहे लॉरी ऑपरेटर्स हों या लॉरी में क्लीनर्स हों, इन सबका डेटा एकत्रित करने के आदेश दिए गए हैं। जो डेटा एकत्रित किया जा रहा है, उसमें उनकी जाति, उनका धर्म और उनका कौन सा निर्वाचन क्षेत्र है, इसको भी इंगित करने के उन्हें आदेश दिए गए हैं।

मैं आपके माध्यम से सदन और सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हूं कि जो आदेश दिए गए हैं, उसके संबंध में जब कुछ पेट्रोल पम्प के मालिकों ने ये सब जानकारी देने से इंकार किया तो उनकी सप्लायी बंद कर दी गयी।

अभी कुछ दिन पहले टी.एम.सी की एक बहुत ही आदरणीय मेंबर अपर्णा घोष जी ने आर्वेलियन सोसायटी की बात की थी। Big Brother is watching यह उससे भी एक कदम आगे उठाया जा रहा है, जिसके तहत सरकार हमारे लोकतंत्र को प्रभावित करने की कोशिश कर रही है। ये सारे आंकड़े हाइड्रो कार्बन सैक्टर स्किल काउंसिल के बैनर के तहत इकट्ठे किए जा रहे है। उनको सर्टिफिकेट दिया जाएंगे, उस सर्टिफिकेट के साथ पांच सौ रुपये भी दिए जाएंगे और वह रुपये तब दिए जाएंगे जब इलेक्शन सर के ऊपर होगा। मेरा मानना है कि this is a cash-for-vote scam. इसको बिल्कुल अलाउ नहीं किया जाना चाहिए और पूरे सदन को इस बात का कड़ा विरोध करना चाहिए। मैं आपके माध्यम से यह बात पूरे देश को बताना चाहता हूं। ….(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष:

श्री रवीन्द्र कुमार जेना को श्री सुनील कुमार जाखड़ द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।